प्रसार भारती

भारतीय प्रसारण निगम

आकाशवाणी केन्द्र शिमला

10.11.2024 / प्रादेशिक समाचार / 09.20 बजे

केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारामन ने कहा है कि इस वित्त वर्ष में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के लिए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को ऋण देने का लक्ष्य पांच दशमलव सात–पांच लाख करोड़ रुपये का है। केंद्रीय मंत्री बैंगलुरू में कल सिडबी के राष्ट्रीय एम एस एम ई क्लस्टर आउटरीच कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। वित्त मंत्री ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का छोटे उद्योगों को ऋण नौ दशमलव दो प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि छोटे उद्योगों को एक सौ करोड़ रुपये के सावधि ऋण की नई क्रेडिट गारंटी योजना का प्रस्ताव जल्दी ही केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में रखा जाएगा। इससे छोटे उद्योगों को ऋण के लिए किसी तीसरे पक्ष की गारंटी की आवश्यकता नहीं होगी।

....

मुख्यमंत्री सुखविन्दर सिंह सुक्खू ने कहा है कि कांग्रेस सरकार वर्ष 2027 तक हिमाचल को आत्मनिर्भर और वर्ष 2032 तक देश का सबसे समृद्ध राज्य बनाने का प्रयास कर रही है। महाराष्ट्र दौरे के दौरान उन्होंने कल मुम्बई में कहा कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए नीतिगत बदलाव किया जा रहा है ताकि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस की विचारधारा ने ही विकसित भारत की सोच की आधारशिला रखी है। उन्होंने कहा कि ये पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की ही सोच है जिन्होंने देश हित में नीतियां बनाईं जिनके कारण आज भारत विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जबसे हिमाचल में भाजपा का ऑपरेशन लोटस विफल हुआ है, तभी से राज्य सरकार को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि 2 साल से कम अवधि में प्रदेश सरकार ने 5 गारंटियां पूरी की हैं और शेष गारंटियों को भी पूरा किया जाएगा।

....

शिमला ज़िले के रामपुर में अंतर्राष्ट्रीय लवी मेला कल से शुरू हो रहा है। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल मेले का शुभारम्भ करेंगे। मेले के दौरान सांस्कृतिक संध्याएं, खेलकूद प्रतियोगिताएं और विभिन्न विभागों की विकासात्मक प्रदर्शनियां आकर्षण का केन्द्र रहेंगी। मुख्यमंत्री सुखविन्दर सिंह सुक्खू 14 नवम्बर को लवी मेले के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। इस दौरान लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह और स्थानीय विधायक नंदलाल भी मौजूद रहेंगे।

....

भारत के सात शैक्षणिक संस्थानों ने क्यू एस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग–एशिया 2025 के शीर्ष सौ संस्थानों में जगह बनाई है, जिसमें दो संस्थान शीर्ष पचास में हैं। इस सूची में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान–आई आई टी दिल्ली को 44वां और बॉम्बे को 48वां स्थान मिला है। शिक्षा मंत्रालय ने बताया है कि यह उपलब्धि महाद्वीप में भारत की उच्च शिक्षा में प्रगति को दर्शाती और तथा दिल्ली विश्वविद्यालय भी शामिल है। यह रैंकिंग पूर्वी, दक्षिणी, दक्षिण–पूर्वी और मध्य एशिया के 25 देशों के 984 संस्थानों के प्रदर्शन के आधार पर तैयार की गई है।

....

राजधानी शिमला सहित प्रदेश के अधिकांश भागों में आज मौसम आमतौर पर शुष्क बना हुआ है। हालांकि प्रदेश में अधिकतम तापमान में 4 से 5 डिग्री की कमी दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने मंडी और बिलासपुर जिलों के कई क्षेत्रों में आज और कल घना कोहरा का यलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में सुबह के समय विजिबिलिटी में कमी दर्ज की जा रही है। वहीं बारिश न होने से गेंहूं की बुआई में देरी हो रही है जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। मौसम विभाग ने कल मध्य और उच्च पर्वतीय जिलों के कुछ स्थानों में बारिश व हल्की बर्फबारी की संभावना जताई गई है।

....

और अब एक नजर अखबारों की सुर्खियां पर.....

आज समाचार पत्रों ने अलग–अलग खबर को प्रमुखता दी है। अमर उजाला ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह के हवाले से सुर्खी दी है–ऑपरेशन लोटस में फेल भाजपा प्रदेश को कर रही बदनाम। हिमाचल दस्तक का शीर्षक है–हिमाचल में नहीं चला ऑपरेशन लोटस। दैनिक जागरण के शब्द हैं–कांग्रेस की विचारधारा ने ही रखी विकसित भारत की आधारशिला। दिव्य हिमाचल लिखता है–ऑपरेशन लोटस में लुढ़की भाजपा समोसे में फंसी। पंजाब केसरी का शीर्षक है– महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार के बाद दिल्ली पहुंचे मुख्यमंत्री सुक्खू– शिमला वापसी से पहले केन्द्रीय नेताओं से मुलाकात संभव।

फर्जी दस्तावेजों पर दी नौकरी, विधानसभा सचिवालय पर लगाई 25 हजार की कॉस्ट शीर्षक से अमर उजाला लिखता है–हाईकोर्ट ने लिया संज्ञान याचि को जुनियर ट्रांसलेटर नियुक्त करने के आदेश।

मौसम पर दैनिक भास्कर के शब्द हैं– मंडी सुंदरनगर व बिलासपुर में विजिबिलिटी 20 से 50 मीटर, दो दिन घनी धुंध का अलर्ट।

कांगड़ा ज़िले के बीड़ बिलिंग में पैराग्लाईडिंग वर्ल्ड कप के समापन से जुड़ी खबर भी आज अधिकांश समचार पत्रों में प्रमुखता लिए हुए हैं।

....